

DPN 5929

Title : ग्रह मातृका ŚRAHA MATRKA

Run. No. 6620

Cat. No.

Micro. No.

Subject ग्रह मातृका

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23.7 x 7.5

Folios 1-7

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

तमपदवीं किं कर्षा विदीर्घा माया सत्त्वनाम न्यायकृत् ॥ नवं सर्वसत्त्वनपदवनवाधय
 किं ॥ रुद्रमय रुमरुगवान् तादृमधर्मपर्यायं यनसर्वसत्त्वानी सर्वप्रियदयस्य इवकार
 विषयकिं ॥ रुगवानाह ॥ साधु २ वरुपाक्षियस्त्वं सर्वसत्त्वनामार्थयहि गाय सरवाय वा क
 पाविरुमूत्याय महागुक्ता किं गुक्ता नृनृत्तमार्गमर्दकसम्यक् ईद्व पत्रिष्टुक् सिक्ता वृक्षसाधु
 वसनसिक्ता राषिस्थिरकं ग्रहाक्षमय रुपाक्षी अतिवृत्ता किं शीघ्रक्षानी गुक्ता किं गुक्ता
 र्वादिपूजामघक् यथानूकमरुदनसर्वषायिथ लुप्यन्ति किं गृहाप्रजिगाप्रकिपूजि

2

न ॥ मिरुक्ति यमानिना ४ दवाहवा विवकिन्नवाधमहात्रगा ४ य इका ववाहसावेवपूजना
 र्धवमानषा ४ समयक्ति वरुक्षणा महार्क उग्रतयस ४ प्राप्ता कर्षा पवक्षामिमन्त्राप्रिय
 थाकमी ॥ अथवन रुगवान् मक्षम निरुथागाता इहसम्यक् ईद्व स्वहृदया कवृत्ता विकीर्ति
 कनामत्रमिजाले निवार्य यनवयं ग्रहाक्षी मृद्विपुवमय किं स्म ॥ अथनरुत्ता दव नसर्व
 ग्रहा आदिह्यादय उक्तय रुगवर्क मक्षम निरुथागाता मर्दकसम्यक् ईद्व सर्वरि ४ दिव्य
 पूजा रि ४ पूजयित्वा प्रलम्प जान पतिपुत्रकता ३ लिपटाहृत्वा रुगवर्कमवमाह ४ ॥ अन्

गृहीता वर्यं रगवता गन्धगकनार्हता सम्यक् वृद्धन तदं यन्तु रगवान् मादृशं धर्मपर्यायं साम
 गीरुता नस्य धर्म शासकस्य त्रयो कुर्याम ४ गुणी पत्रिगती पत्रिगद पत्रिपात्रती मा नि स्वस्य
 यनंदं उपविहात्र तं ममुपविहात्र विषद्वषती विषनामनं जीमावश्च पत्रती वश्च कुर्याम
 ॥ अथ खलु रगवान् मा क्रम निस्तथा गगार्हता सम्यक् वृद्धा गृहात् पूजा मन्त्राश्च राष कस्म ॥
 उं मं धा लाय स्वाहा ॥ उं जी गां म व स्वाहा ॥ उं व को ग द्मात्राय स्वाहा ॥ उं वृद्धाय स्वाहा ॥ उं रा ग म
 य स्वाहा ॥ उं अ सु त्रा रु माय स्वाहा ॥ उं कृष्ण व र्म य स्वाहा ॥ उं ब्राह्म व स्वाहा ॥ उं अ म रु प्रियाय

३

स्वाहा ॥ उं आ नि क र व स्वाहा ॥ य ध न्म क म श द न दि मा ॥ अप दि मा च ग न्ध म उ ल म ॥ धा द र्मा
 गु ल प मा ने क्त्वा लि ख ॥ क र्ति का तु द्वा द श ल प मा र्त्त च तु स्ता त्र त सा शि र्ग कृ र्ता ग म त्र त क
 र्ता म न्दि र्ग क र्त्त व ॥ क म ध्वा सि क क म ला प त्रि कू क म ग न्ध म उ ल क वि रु य द व रा क्त्वा त्र त
 प म त्र प ध र्ने उ जा र्था गि क क म ल ध र्ने व क व र्त्तु म द्म सूर्य का टि सिं ह त्र व र्त्त स म न्ता मा लि
 न वि रु द्म म स्य द व की ल रा ज न ॥ कृ द् व ध र्पा ॥ उं मं धा लाय आ दि णा य न म ४ स्वाहा ॥ पू र्व
 म्पा दि मि त्र क क म ला प त्रि प्रियं गु ग न्ध म द ल क सा मा वा क्त र्त्त कि रू य ४ मि न व र्त्त ज टा

मकूटध्वजकुशायां कुमदपुष्पावाञ्जुदसूक्तकमलुध्वनीअस्यगीवाभधूपारघुनादनराज
 नंगाउंचव्यामृकविक्रमायमीनाभवनमःस्वाहा॥दक्रिस्यादितिगुक्तकमलापत्रिचदनरा
 न्वमधुलकरिङ्गअंगवधवकवर्धनकमकूटीमकिध्वजवल्गुसहस्रराजनअस्यदयीमाष
 रुक्तगुदादनंवागुगुवृधूपराउंचकागवसाकवंकुमात्रायअंगवयनमःस्वाहा॥पश्चि
 मस्यादितित्रकपभापत्रिगुवृगन्धमधुलकवक्रवागीवृद्धस्यापीकवर्धनकसागः॥अदसू
 क्तकमलुध्वजराजनमस्त्यमगमाषकिस्रवधूपागन्धवसाउंचाऊपरुवृद्धपीकवर्धन

४

यवकायनमःस्वाहा॥उक्तस्यादितिमिरककमलापत्रिदवदावृगन्धमधुलकपत्रिवाजकागु
 वृष्टेत्तफकाचनवर्धनकसागः॥अदसूक्तकमलुध्वजराजनअस्यदधिराजनकीर्णवाम
 ध्वधूपधुनवा॥उंचाहिरवर्धनयनिर्जमागमास्यदायवृद्धस्यनमःस्वाहा॥अग्रयीदि
 मित्रकपभापत्रिचदनरा न्वमधुलकगुक्तपाशपणवकध्वनिगदीप्रध्वलवर्धजटा
 मकूटअदसूक्तकमलुध्वजराजनअस्यकीर्णराजनकीर्णवधूपराउंचनमःस्वाहा॥रुमायगुं
 चविवरजगुक्ताधिपकयनमःस्वाहा॥नेमस्यादितिमिरपर्यकजापत्रिनीलवदनरा

धमलुलक मनिश्वरकृष्णवर्ण कपनकारुण्यपीतजयमकूटसमस्तजुह्वनकृष्णक्रीडि
 काधनशराजनमस्त्यमावकृष्णकिसनशधूपगन्धमस्त्यउद्वेष्टवर्णमनिश्वरमायम
 निश्वरायनमस्त्यवाहावायुर्वादिगिष्णुर्वाजापविगगगन्धमलुलकवाहकपात्रिकावा
 ज्वरुवर्णनिश्वरदहात्रविश्वथशरमानकात्रावनयुगद्विजकुलालारुद्रकृष्णपर्व
 वर्णमधमस्त्यमागुजायाचन्द्रसूर्यकमलारिमयस्त्रिभाजसूर्यमायाभिषेकाजननि
 लकृष्णवर्णविल्वधूपउन्नमाविष्णुताननायवृद्धिवाग्निनाराहवह्निनाञ्जननिश्वरा

यजुर्मरुतप्रायनमस्त्यवाहावायुर्वादिगिष्णुर्वाजापविगगगन्धमलुलकवाहकपात्रिकावा
 कउधूमवर्णकृष्णकालिनामस्त्यमस्त्यपुष्करगुणशस्यष्टपुत्रकशाजनसर्जलधूपगाउ
 नमस्त्यमागुवर्णमनिश्वरायजातिककवनमस्त्यवाहामस्त्यपूर्वधात्रयुद्धागवानादनि
 र्वाद्यवर्णपाणिशपश्चिमधात्रलाकनाथशरुद्रवधात्रमस्त्यभीकृष्णमात्ररुद्रभासवर्णवह
 कार्दसर्वगुहापूर्वदक्षिणकार्दरुद्राधिकामहाविद्याश्वकनीलावर्णमिमुखाहस्त
 दयनवाख्यानमूढादक्षिणमस्त्यवर्णवामपागमकिष्णवर्णमस्त्यमस्त्यनिव

[illegible]